24

ज़ायद बही नं० 4

जिलद—बाबत महकमा सब-रजिस्ट्रार

कीमत अशटाम्प नोट:—यह ख़ाना इस किसम के नोटों के लिये भी इस्तेमाल हो सकते हैं जो मामूली किताब नं० 4 के खाना कैफियत में लिखे जाते हैं	नम्बर शुमार अन्दराज मुआमले केमालीयत और नोईयत और कीमत रजिस्ट्री व दीगर रसूम और तावान वसूल शुदा
	R. No. 113 वसीयत भूमि 4 765 R.F = 50.00 C.F = 3.00 Total: 53.00

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur H.P.

...chal Government Judicial Paper

...यत नामा ज़ुज़ 1

...के मु० मुज़ख्या उमर तख़मीनन 56 साल दुख़्तर ख़ज़ाना
उद्धव सकना कोठीपुरा परगना सदर हाल ख़ाना
...न्द खुद कचोली परगना रतनपुर तहसील व ज़िला
...ासपुर हिमाचल प्रदेश की है, जो कि मुज़हरा
...वे वाली यानी बाल बच्चेदार औरत है ख़ाविन्द
...रा भी मौजूद है। मुज़हरा ज़ईफ़ व लाग़र हो
...र मामूली बिमार भी होती रहती चली आती है,
...रा की ऐसी हालत में जहां ख़ाविन्द व बाल
... मुज़हरा हर तरह से देख भाल व ख़िदमत व
...रा करते व इलाज मुआलजा करवाते चले आते
...ीं दिलाराम, ब्रह्मानन्द, प्रेमचन्द, रामकिशन
...न रामसिंह वल्द हाजरु व मस्तराम, रणजीत
...प्यारे लाल वल्द गांधी सकना कोठीपुरा परगना
...सील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश
...व भतीजग़ान व पोतग़ान मुज़हरा यानी मुज़हरा
...ीकी एक भाई के पिसरान व दूसरे हकीकी भाई
...तग़ान भी हर तरह से हस्ब तौफ़ीक ख़ुद मुज़हरा
दुख व सुख में शरीक होते हुये मुज़हरा की
...ल व ख़िदमत करते हुये फ़र्मा बरदार व ख़िदमत
मुज़हरा चले आते हैं; मुज़हरा जहां ख़ाविन्द व
...न खुद की देख भाल

...नामा ज़ुज़ 2

...त से खुश है वहीं मुज़हरा भतीजग़ान व पोतग़ान
...न खुद की देख भाल व ख़िदमात से भी खुश है
मुज़हरा साहिब जायदाद है बच्चग़ान मुज़हरा न...
मुज़हरा व मुज़हरा की ख़िदमात के सिलसिला में
...जायदाद [illegible]

№ 730056 1989 (नकल) Himachal Government Judicial Paper

वसीयत नामा ज़ुज़ १

मनक्के मुसम्मा ... उमर तख़मीनन 56 साल दुख़्तर खज़ाना वल्द उद्धव सकना कोठीपुरा परगना सदर हाल ख़ाना खाविन्द खुद कचोली परगना रतनपुर तैहसील व ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश की हूँ, जो के मुज़्हरा कनबे वाली यानी बाल बच्चेदार औरत है खाविन्द मुज़्हरा भी मौजूद है, मुज़्हरा ज़ईफ़ व लागर हो अकसर मामूली बिमार भी होती रहती चली आती है, मुज़्हरा की ऐसी हालत में जहां खाविन्द व बाल बच्चे मुज़्हरा हर तरह से देख भाल व खिदमत व परवरिश करते व इलाज मुआलजा करवाते चले आते हैं वहीं दिलाराम, ब्रहमानन्द, प्रेमचन्द, रामकिशन पिसरान रामसिंह वल्द झाजरू व मस्तराम, रणजीत पिसरान प्यारे लाल वल्द गांधी सकना कोठीपुरा परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश बातरतीब भतीजगान व पोतगान मुज़्हरा यानी मुज़्हरा के हकीकी एक भाई के पिसरान व दुसरे हकीकी भाई के पोतगान भी हर तरह से हस्ब तौफ़ीक खुद मुज़्हरा के हर दुख व सुख में शरीक होते हुये मुज़्हरा की देख भाल व खिदमत करते हुये फर्मा बरदार व खिदमत गुज़ार मुज़्हरा चले आते हैं, मुज़्हरा जहां खाविन्द व बच्चगान खुद की देख भाल

वसीयत नामा ज़ुज़ २

व खिदमात से खुश है वहीं मुज़्हरा भतीजगान व पोतगान मज़कूरान खुद की देख भाल व खिदमात से भी खुश है खाविन्द मुज़्हरा साहिब जायदाद है बच्चगान मुज़्हरा तो खाविन्द मुज़्हरा व मुज़्हरा की खिदमात के सिल्ला में माकूल जायेदाद खाविन्द मुज़्हरा पा लें गे, लेकिन भतीजगान व पोतगान मज़कूरान मुज़्हरा को बिला अताये मुज़्हरा कोई सिल्ला खिदमात मुज़्हरा ना मिल पावे गा, सो मुज़्हरा भतीजगान व पोतगान मज़कूरान खुद से आयन्दा भी ऐसी ही खिदमात मुज़्हरा करते रहने की तवक्का होने व हयात चन्द रोज़ा

(left margin, vertical:) मुसम्मा ... मौज़े ... मुज़्हरा ... अंगूठा

19-6-90

शुन्य

दस्तावेज पाकीवरी ---- 4 ---- किताब ---- 4 ---- नम्बर है।
जिल्द ---- 765 ---- है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
19/6/90

वसीका वसीयत नामा हुआ श्रीमती उजुवली D/o रघुनाथ
मुकाम लखीपुर परगना रघुनाथपुर तहसील सदर
जिला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश ने आज दिनांक 19 जून 1990
मुताबिक 29 ज्येष्ठ शाका 1912 बरोज मंगलवार
वक्त 4-30 बजे दिन कार्यालय सब रजिस्ट्रार
... बराये रजिस्ट्रेशन पेश किया।

R.T.I.
उजुवली

पेश कर्ता

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
19/6/90

मैं प्रमाणित करता हूँ कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान
मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
19/6/90

№ 0363760 1988 **Himachal Government Judicial Paper**

को कोई भरोसा ना होने से अब भतीजगान व पोतगान मज़कूरान खुद को भी कुछ सिल्ला खिदमात खुद देने की ख्वाहां है, मुज़हरा कुछ जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला उदशुदा अज़ वालद मुतवफ़ी खुद वाक्या कोठीपुरा परगना सदर की मालका व काबज़ा है सो मुज़हरा जायेदाद मज़कूरा खुद उदशुदा अज़ वालद मुतवफ़ी खुद भतीजगान व पोतगान मज़कूरान खुद को इस तरह देना चाहती है जिस से के वह अपनी अपनी खिदमात मुज़हरा का सिल्ला पा जावें गो मुज़हरा की जायेदाद मज़कूरा उदशुदा अज़ वालद मुतवफ़ी मुज़हरा मामूली मालीयत की है लेकिन अग़लब है के बाद वफ़ात मुज़हरा जायेदाद मज़कूरा मुज़हरा

वसीयत नामा ज़ुज़ 3

उदशुदा अज़ वालद मुतवफ़ी मुज़हरा की निस्बत कोई शख्स तनाज़ा किसी किस्म करे इस लिये अब मुज़हरा बक़ायमी होश व हवास खमसा खुद बिला जबर व अकराह व तरग़ीब ग़ैरे किसी किस्म जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म खुद उदशुदा अज़ वालद मुतवफ़ी खुद की निस्बत हस्ब ज़ैल वसीयत करती व लिख देती है के जब तक मुज़हरा हयात है जुमला जायेदाद हर किस्म खुद की मालका व काबज़ा है बाद वफ़ात मुज़हरा जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हरा उदशुदा अज़ वालद मुतवफ़ी मुज़हरा वाक्या कोठीपुरा परगना व तहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश या दीगर जहां कहीं भी जो कोई भी जायेदाद मुज़हरा उदशुदा अज़ वालद मुतवफ़ी मुज़हरा वाक्या हो के दिलाराम, ब्रह्मानन्द, प्रेमचन्द, रामकिशन मज़कूरान भतीजगान मुज़हरा बहिस्सा मुसावी निस्फ़ व मस्तराम, रणजीत मज़कूरान पोतगान मुज़हरा बहिस्सा मुसावी निस्फ़, मालकान व काबज़ान तसव्वर हों गे, किसी भी दीगर शख्स का कोई ताल्लुक व वास्ता किसी किस्म किसी जायेदाद मुज़हरा मौसी उदशुदा अज़ वालद मुतवफ़ी मुज़हरा मौसी से ना होगा और हर दीगर वारस मुज़हरा मौसी जायेदाद हर

दस्तखत
अं० अंगूठा, मौसी मज़कूरिया

दस्तखत
अं० अंगूठा, मौसी मज़कूरिया

19.6.90

वसीका वसीयता नामा हुवा था मानी अंजु रानी

हर्फ ब हर्फ पढ़कर सुनाया व समझाया गया। जिसने

इस वसीका की तमाम तहरीर व मजमून को सुन व

समझकर सही तसलीम किया। [illegible] शनाख्त

श्री लेखराम ठाकुर प्रधान ग्राम पंचायत कोठीपुरा करता है। जिनसे मैं

परिचित हूं। लिहाजा वसीका हजा तस्दीक किया

जाता है दर्ज रजिस्टर होवे।

पेश कर्ता

लेखराम ठाकुर

प्रधान

ग्राम पंचायत कोठीपुरा

[illegible]

R.T.I.
अंजु रानी

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
19/6/90

मैं प्रमाणित करता हूं कि पेश कर्ता ने अंगूठा निशान मेरे सामने लगाया है।

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
19/6/90

2
9
8
№. 0363720 Himachal Government Judicial Paper
8 वसीयत नामा ज़ुज़ ४

किस्म मुज़हुरा मौसी अदरशुदा अ़ज़ वाल्द मुतवफ़ी मुज़हरा मौसी से मेहरूम तसव्वर हो गा, दिलाराम, ब्रह्मानन्द, प्रेमचन्द, रामकिशन व मस्तराम, रणजीत मौसीइल्हम मज़कूरानही हस्ब हिस्स मन्दर्जा बाला जुमला जायेदाद मनकूला व ग़ैर मनकूला हर किस्म मुज़हरा मौसी अदरशुदा अ़ज़ वाल्द मुतवफ़ी मुज़हरा मौसी के हों गे, किसी भी दीगर शख्स को मुज़हरा मौसी के वसीयत नामा हज़ा को तब्दील या तनसीख कराने का कोई हक हासल ना हो गा, मुज़हरा मौसी ने पेशातर कोई दस्तावेज़ वसीयत नामा निस्बत जायेदाद खुद अदरशुदा अ़ज़ वाल्द मुतवफ़ी खुद तैहरीर ना कराई है इस लिये वसीयत नामा हज़ा से पेशातर की हर दस्तावेज़ वसीयत नामा मिन्जानिब मुज़हरा मौसी बाबत जायेदाद मुज़हुरा मौसी अदरशुदा अ़ज़ वाल्द मुतवफ़ी मुज़हुरा मौसी जाली व फ़र्ज़ी होने से रद्द तसव्वर हो गी और वसीयत नामा हज़ा पर पुरा पुरा अमल हो गा, लेहज़ा वसीयत नामा हज़ा लिख दिया के सन्द रहे।

तैहरीर 19/6/90

गुवाह शुद	अलबद	गुवाह शुद
मस्तराम वल्द श्यामा वल्द कपूर सकना पड़गांल परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश	मु॰ पजधमा, मौसी मज़कूरीया	रुपलाल वल्द ठाकुरदास वल्द फिल्लू सकना थाई साल्ली परगना व तैहसील सदर ज़िला बिलासपुर हिमाचल प्रदेश
Mast Ram		रूपलाल

हस्ब मुराद सायला लिखा गया सुन समझ कर दस्तख़त तसलीम किया। लेखक हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर 679 19/6/90 मोहर

(नोट) वसीयत नामा हज़ा 785 अलफ़ाज़ पर मुशतमल है

तस्दीक

नकल मुताबिक असल है कोई लफ़ज़ कटा फटा मशकूक या कम व बेश ना है। नकल कुनिंदा हरबंस सिंह अराइज़ व वसायक नवीस बिलासपुर शामल 679 19/6

[illegible] No. 113 in [illegible] 3

[illegible] No. 91 on page/pages 42 [illegible] 19

[illegible] [illegible]90
5/7

Sub Registrar Sadar
Distt. Bilaspur (H.P.)
19/6/90